Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-103

भारतीय दर्शन

एम.ए. संस्कृत (एम.ए.एस.एल- 12/16/17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. विशिष्टाछैतवेदान्त दर्शन के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

2. सांख्याभिमत तत्त्वों का निरूपण कीजिए।

3. वेदान्तसम्मत पंचीकरण प्रक्रिया का प्रतिपादन कीजिए।

4. जैनदर्शन का सामान्य परिचय प्रस्तुत कीजिए।

5. तर्कभाषासम्मत प्रमाणों का वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. सांख्यसम्मत दु:खत्रय का वर्णन कीजिए।

2. सत्कार्यवाद पर प्रकाश डालिए।

3. अर्थ लिखिए:
"त्रिगुणमविवेकि विषय: सामान्यमचेतनं प्रसवधार्मि।
व्यक्तं तथा प्रधानं तद्विपरीतस्तथा च पुमान्।।"

4. अज्ञान की शक्तियों का वर्णन कीजिए।

5. वेदान्तसार का मंगलाचरण तथा उसका अर्थ भी लिखिए।

6. जैनमत का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. हेत्वाभास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

8. द्वैताद्वैत वेदान्त दर्शन का सामान्य वर्णन कीजिए।